आलोचना

त्रैमासिक

सहस्राब्दी अंक तेईस

अक्तूबर-दिसम्बर 2005

प्रधान सम्पादक
नामवर सिंह

SALTOC Project
Title: Ālocanā (Delhi, India)
Imprint: Dillī : Rājakamala Prakāśana Prāiveṭa lī
OCLC: 4094931
No. 23 (Oct-Dec 2005)
TOC Provided by Center for Research Libraries

सम्पादक
अरुण कमल

संयुक्त सम्पादक
मदन कश्यप
प्रभात रंजन

कला सम्पादक
हरीश आनन्द

प्रबन्ध सम्पादक
अशोक महेश्वरी

अनुक्रम

संपादकीय : आलोचना का स्वधर्म 5

सृजन

बोधिसत्व की कविताएँ 7
अय्यप्पा पणिक्कर की कविताएँ 13

स्मरण

पाब्लो नेरुदा के सम्मान में स्वागत भाषण : **निकानोर पार्रा** 16
एक कवि की खुली दुनिया : **मदन कश्यप** 28

विमर्श

समकालीनता का प्रश्न और कविता : **राजेश जोशी** 31
यथार्थ की समकालीनता : कविता की समकालीनता : **विजय कुमार** 35
आलोचना का आत्म-संघर्ष : **पंकज चतुर्वेदी** 41
आलोचना का संघर्ष : **आशुतोष कुमार** 46

साक्षात्कार

नए इंकलाब की राह
वरिष्ठ चिंतक **मोहम्मद असदुल्ला** से **प्रभात रंजन** की बातचीत 49

पुनर्पाठ

राष्ट्रवाद और 'गोदान' का सच : **शंभुनाथ** 54
साहित्यिक महत्त्वक्रम का राष्ट्रवादी-लोकवादी ढाँचा और रामचन्द्र शुक्ल : **मनमोहन** 60
रस : सहृदय और मंच : **एंजेलिका हेकेल** 85

साहित्य-यात्रा

चलो तो सारे ज़माने को साथ ले के चलो : **कमला प्रसाद** 92

मूल्यांकन

'दृष्टि' को देखना, यानी कवि का आलोचन : **प्रेमरंजन अनिमेष** 101
यथार्थ का प्रतिपक्ष : दुःस्वप्न भी आते हैं : **विजयबहादुर सिंह** 118
मलयालम की स्त्री-कविता : **प्रमीला के. पी.** 121